

8th Induction Programme: Pravesh 2018 On 30-07-2018

The Department Of Computer Application successfully organised its 8th Induction Programme to welcome the freshers of BCA 2018-21 batch. The event named Pravesh' 2018 started with the bouquet presentation to the esteemed guests and to the members of Gurudwara Prabandhak Committee. That event gives the students a complete platform to explore their cultural talents. The event marked its beginning by the welcome Dance performed by Simran Chabra followed by welcome speech presented by Dr. Ranjana Das, Coordinator of the department. The induction speech of the event was delivered by honourable Principal Prof. P Shekhar. Prof. Pushpa Tewari presented the report of the department in her detailed speech and explained the students about the functioning of the department and also about their curriculum and activities. Cultural programs were presented by the students which included some dance and songs. Prof. Ramesh Sharma gave the introduction about the spoken tutorial project of IIT Bombay. His speech was further followed by the felicitation of the students of Spoken Tutorial who successfully completed their certification courses. Sardar D S Grewal, Secretary of the college also gave a very motivational speech and ask the student to do their best in their life. Vice chancellor of the University Dr. Anjani Srivastava and PRO VC of the University Dr. P Mahato also blessed the occasion with their wonderful speeches and the appreciated the functioning of the department and also was very happy with the discipline of the college. Sardar R S Chahal, President of the college delivered his presidential address. The formal vote of thanks was presented by Prof. Uday K Sinha. The event was compered by Dr varsha Singh.

1.	11:30-11:35	Bouquet presentation
2.	11:35-11:40	Lighting the lamp
3.	11:40-11:45	Welcome Dance (Simran Chabra)
4.	11:45-11:50	Welcome speech by Dr.Ranjana Das
5.	11:50-11:55	Induction Speech by Honorable Principal Sir
6.	11:55-12:05	Group Song
7.	12:05-12:10	Report of the department by the Prof. Pushpa Tiwari
8.	12:10-12:15	PowerPoint Presentation (Amerendra ,Akash)
9.	12:15-12:25	Acoustic performance by Manish, Aditya and Tarun
10.	12:25-12:30	Introduction to spoken Tutorial by prof. Ramesh Sharma
11.	12:30-12:55	Felicitation of students of Spoken Tutorial
12.	12:55-01:00	Feedback Session (Roma Mondal and Swapnil Sagar)
13.	01:00-1:10	Group Dance (Clean Revolution)
14.	1:10-1:15	Speech by Sardar D S Grewal

गुरुनानक कॉलेज में बीसीए के इंटरव्यू प्रोग्राम में नए स्टूडेंट से रू-ब-रू हुए डॉ एके श्रीवास्तव

आप बर्दाश्त कर रहे हैं, परीक्षा पास करेंगे, तो इतिहास विभाग हो जाएगा। लेकिन आप किसी हिंदी शिक्षक न बने, क्योंकि इसी मामले में बुद्धिजीवी बने। आज अजित को कुछ नया करने की कोशिश करी। मैं खोती कोषाध्यक्ष बनिए के पीछे ही अंतर्गत कुलपति भवनगत ने योगेश्वर को मध्यस्थता करने में प्रेरित किया।



गुरुनानक जी ने सीरीय स्टूडेंट के इन्टरव्यू के दौरान कृपा देते हैं।

छात्र-छात्राओं ने पेश
किए रंगारंग कार्यक्रम

[illegible]

डिग्री होल्डर नहीं, बुद्धिजीवी बनें

गुरुनानक कॉलेज में इंडक्शन प्रोग्राम में बोले कुलपति, समाज के लिए काम करें छात्र

ले जायते हैं। कलिंग के अन्त्य सरदार
आपने चालन व बल कि कलिंग में चले
मुनिप्राप्त उपलब्ध हैं। छात्र-छात्रों को
सुविधापूर्वक पृथक् की। अन्त में सभी को
ले टाप में मुप्री है। चौक से छात्र मिलकर
छात्रों व स्वामी चाल प्रस्तुत किया। बुद्ध
छात्र, तुप साथ व अन्य कार्यकर्ता की
प्रस्तुति थी। कोसिक को रोम, आकार
और अमरेंद्र ने प्रोत्साहन के मध्यम से
प्रतिवेदन दिया। कार्यकर्ता में अतिप्रमुख
हैं। अन्त बुद्धा वाली, प्रार्थना प्रो. प्रो.
मैथन, डॉ. रमन छात्र, पुष्प तिहारो,
बुद्ध छात्र प्रमथन सर्जित साधु सरदार
मिलने मिलने प्रेषण, उदय सिद्ध,
मिलने सर्ज, प्रो. रोषण सर्ज, डॉ. पौन-
अनुराग, प्रो. मल्लिकार्जुन मल्लिकार्जुन



मुलानन्द धर्मोपदेशिका के द्वारा प्रकाशित की गई है।

Dainik Jagran: Dt:- 31.07.18

जीवन में हमेशा कुछ नया करने का प्रयास करें : कुलपति

विशेष विज्ञानों का तो कोण-कोण पर
विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के अनुसार
है। अतः ही लोकसभा में कहा है कि
साथ-साथ हमें सा पूरा मंच बनने
के लक्ष्य में है। ऐसा विज्ञान केंद्र
नहीं बने। यही मंच में बुद्धिजीवी
को। इसके लिए हम कदम बढ़ा रहे हैं।
बड़ी मूला अर्थिक कुलाली
संस्था का दृष्टिकोण कोविड रोक
के लिए है। विज्ञान के अर्थ
संस्था का अर्थ है कोविड रोक
साथ विज्ञान को कोविड रोक का रहे है।
अर्थिक साधन-साधन में क्या कि
अर्थ साधन के लिए साधन में क्या कि

जीएन कॉलेज

पास है। 1980-81 विविज, ओरेन व
आई होमिन जैसे विविज थे जिनका
जु सकते हैं। इनका ज्ञान विज्ञान
जैसे कार्यकारी से भी देश में ज्ञान
से काफी है। युवाओं का ज्ञान
धनका के ज्ञान ज्ञान का ज्ञान से
जाना ज्ञान-ज्ञान, अर्थों से ज्ञान
है। ज्ञान विज्ञान ज्ञान से ज्ञान से ज्ञान से
ज्ञान से ज्ञान से ज्ञान से ज्ञान से



लीकड काय ते पणही समितीचा हो सहाकार पण प्रमुख बनती जाणाली. • विद्युत



आरंभिक से ही हमें एक ही सम्मति होनी चाहिये। • विजय

इसका भी मुक्तिदा तलाश है। ज़ाफरान
हो, वो सल्ला मे कबिले के मुक्तिदा
को लाकराही है। बीरुद की लाका
रिफा, अककास, जमोरे मे छोड़करा के

मिया। इन्हीं यशुद कुल, सशुद यशुद
 वं जन्म को लाल-बहरी मिली।
 सर्वधर्म में इति कुलपति रा. ऐसे
 भाते, मुद्रा प्रवेशक सविधि के

Hindustan : Dt:- 31.07.18













